भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1763

जिसका उत्तर दिनांक 17.03.2022 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की धीमी वृद्धि

1763 प्रो. मनोज कुमार झा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महत्वकांक्षी लक्ष्यों और उदार बजटीय आवंटन के बावजूद ईंधनों में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की धीमी वृद्धि के क्या कारण है;

(ख) देश में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए वर्तमान में संचालित छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों की राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ग) प्रत्येक छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर में कितने विशेषज्ञ नियुक्त हैं; और

(घ) छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के माध्यम से कुल कितनी बिजली का उत्पादन किया जाता है, तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) कुल विद्युत उत्पादन में नाभिकीय विद्युत का हिस्सा देश के कुल विद्युत उत्पादन का लगभग 3% रहा है, इस प्रकार यह विभिन्न स्रोतों से प्राप्त देश के कुल विद्युत उत्पादन की वृद्धि के साथ अग्रसर है । नाभिकीय विद्युत क्षमता संवर्धन / उत्पादन में धीमी वृद्धि के लिए पहले मुख्य कारण प्रौद्योगिकी इंकार और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंध व्यवस्था जो 1974 से 2008 तक कायम रही तथा वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएं रहें और ऐसे में कार्यक्रम को केवल बजटीय सहायता पर निर्भर रहना पड़ा । तथापि, पहले की बाध्यताओं को दूर कर लिया गया है और नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम तेजी से विस्तार के लिए तैयार है ।

(ख) वर्तमान में, देश में कोई छोटा मॉड्यूलर रिएक्टर प्रचालन में नहीं है ।

(ग) तथा (घ) 'ख' के मद्देनज़र प्रश्न नहीं उठता ।

* * * * *